गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017

सेवा में,

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

लेट पोस्टिंग

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 7 अंक : 5 पृष्ठ संख्या : 12 माह – 15 मार्च 2016 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

परिचय सम्मेलन : आज की आवश्यकता

आधुनिक परिवेश में व्यक्तिगत और व्यावसायिक कारणों से हम सामाजिक कार्यों में उचित समय नहीं दे पा रहे है जिसके कारण आपसी मेलजोल सिर्फ फोन तक ही सिमट गया है । एक दूसरे के सुख दुख में सहभागी होने के मौके कम ही आ पाते है । आजकल तो मांगलिक कार्य भी छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए बनाये जाते है । ऐसे व्यस्ततम जीवन में अपने बच्चों के संबंध के लिए कितना समय किस तरह से निकाल पाते है इससे हर कोई वाकिफ है । किसी अन्य नगर में जाकर रिश्तेदारों से विवाह संबंधी जानकारी हासिल करना व उनसे मिलना एक कठिन कार्य होता जा रहा है । आजकल अनेक संस्थाएँ विवाह योग्य प्रत्याशियों के लिए पत्रिका निकाल रही है । कई संस्थाएँ परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह के आयोजन भी कर रही है ।

परिचय सम्मेलन आज के समय की आवश्यकता बनते जा रहे हैं क्योंकि हमारे पास समयाभाव के कारण अलग अलग हर इच्छित व्यक्ति से मिल पाना संभव नहीं है आज विज्ञान और तकनीक के विकास ने भले ही संपर्क सूत्र बढ़ाने में हमारी बहुत मदद की है किन्तु केवल बायोडाटा और ईमेल के द्वारा हम किसी के बारे में वो सब नहीं जान सकते जो एक प्रत्यक्ष संपर्क द्वारा कुछ ही देर की मुलाकात में पता लगाया जा सकता है । परिचय सम्मेलन में एक ही स्थान पर अनेक लोगों से व्यक्तिगत रूप से मेल मुलाकात का सुनहरा अवसर स्वत: ही प्राप्त हो जाता है इस लिहाज से परिचय सम्मेलन गागर में सागर का कार्य करते है । सोशल मीडिया पर अनेक वैवाहिक साइट्स (मेट्रोमोनियल) आपको योग्य प्रत्याशियों की जानकारी देने के लिए तत्पर बैठी है । आप बस एक मोटी राशि उन्हें चुका दे, फिर देखे, आप हैरान हो जायेंगे किस तरह की भ्रामक जानकारियां आपको रोज मिलेगी जिन्हें परखना आपके लिए संभव ही नहीं है, इसमें कितनी धोखाधड़ी होती है यह आपको ज्ञात ही होगा ।

किन्तु यह देखा जा रहा है कि कई परिजन परिचय सम्मेलन को लेकर उतने उत्साहित नहीं दिखाई देते जितना कि होना चाहिए । परिचय सम्मेलनों के इतने प्रचार प्रसार के बावजूद इनमें भाग लेने वालों की संख्या पत्रिकाओं में दिए गये बायोडाटा के हिसाब से बहुत उत्साहजनक नहीं रहती है । इसके पीछे अनेक कारण है, समाजजनों में जागरुकता का अभाव तो प्रमुख है ही जिसके कारण लोग परिचय सम्मेलन में सम्मिलित होना या परिचय पुस्तिका में बायोडाटा देना अपने आत्म सम्मान के खिलाफ समझते हैं । कुछ परिजन किसी तरह से पुस्तकें प्राप्त कर संबंध के लिए प्रत्याशियों के परिजनों को फोन करते है । अप्रिय स्थिति तब बनती है जब सामने वाले के बच्चे का बायोडाटा उस पत्रिका में नहीं होने के कारण पूर्ण जानकारी के अभाव में चर्चा लंबित हो जाती है । साथ ही साथ परिचय सम्मेलनों में स्वयं को प्राथमिकता देने की भावना, आयोजकों की अनुभवहीनता से होने वाली गंभीर त्रुटियाँ भी एक हद तक लोगों को आकर्षित करने में असफल सिद्ध हुई हैं।

सर्वप्रथम हमें यह बात अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि विवाहादि प्रसंगों में जानकारी देते समय स्पष्टता और सटीकता होना बहुत आवश्यक है बायोडाटा के प्रत्येक कॉलम को पूरी ईमानदारी से सत्य जानकारी देते हुए भरें, इससे आगे संपर्क में आने पर आपको कोई विषम परिस्थिति में नहीं फंसना पड़ेगा । अपनी प्राथमिकता को लेकर स्पष्ट रवैया रखें जैसे कुंडली मिलान के पक्ष में है या नहीं, भावी वर या वधु के करियर के बारे में आपकी राय स्पष्ट हो तो आगे कोई दुविधा नहीं होगी । इसी प्रकार की अनेक बातें हैं जिनमें स्पष्ट और सटीक विचार धारा से हम अपने और दूसरे पक्ष के लिए भी सुविधाजनक बातावरण का निर्माण कर सकते हैं इसी के साथ एक और जरुरी बात है कि अपने अहम को थोड़ा पीछे रखकर हम स्वयं आगे बढ़कर किसी रिश्ते की पहल करते हैं तो इसमें कोई बुरी बात नहीं समझनी चाहिए भले ही हम वर पक्ष वाले हों सिर्फ इसी अहम के कारण कोई अच्छा रिश्ता हाथ से न जाने दें । आगे बढ़ें और एक नई शुरुआत करें ।

परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह के नियमित आयोजन के लिए राष्ट्रीय कमेटी को संगठित होकर सक्रिय होना होगा । राष्ट्रीय कमेटी को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का समय अब आ गया है । कमेटी के पदाधिकारियों को चाहिए कि वे उन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक कार्ययोजना क्षेत्रीय समितियों के सहयोग से तैयार कर बारी बारी से प्रत्येक नगर को परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह की जिम्मेदारी देवे । कार्यक्रम आयोजन के लिए क्षेत्रीय समिति को मजबूत कर ही हम इस समस्या के निराकरण के लिए सार्थक पहल कर सकेंगे । आज राष्ट्रीय कार्यकारिणी को विवाह से जुड़ी कुछ बुराईयां जैसे दहेज, विवाह समारोह में धन का दुरुपयोग, भोजन का अपव्यय, साधनहीन लोगों को विवाह हेतु आर्थिक मदद देने संबंधी विषयों पर पहल कर इनको शीघ्र निराकरण करने के लिए कार्ययोजना बनाना चाहिए । कहीं विचार करते करते देर न हो जाये । – **अनुपमा जैन,** सहसंपादिका

मुनिश्री 108 प्रकर्षसागरजी महाराज का भौतिक शरीर पंचतत्व विलीन

आचार्य श्री 108 पुष्पदंतसागरजी महाराज के सुयोग्य शिष्य, कविमना, योग साधना निपूर्ण, प्रवचन भास्कर, अद्वितीय राष्ट्रप्रेमी, साइंटिस्ट, युवा संत, लाइफ मेनेजमेंट कोर्स के प्रणेता, सिद्धहस्त योगी, संस्कार क्रांति संवाहक व निर्ग्रंथ गौरव मुनिश्री 108 प्रकर्षसागरजी महाराज का हृदयघात से समाधि मरण दिनांक 22 फरवरी को पहाणीखेरा, ब्रजपुर (पन्ना) में हो गया।

आपने ब्रजपुर की जिस भूमि पर जनम लिया वहीं आपका समाधिमरण हुया। आप अपनी जन्मभूमि ब्रजपुर में जिनमंदिर के साथ स्कूल व चिकित्सालय निर्माण कार्यों का मार्गदर्शन कर रहे थे । आपने सैद्धांतिक, आध्यात्मिक व व्यवहारिक विषयों पर, जिन्होंने वैज्ञानिक विश्लेषण व शोध (रिसर्च) किया हो, ऐसे युवा आत्मसाधक के द्वारा, जिनदर्शन और जीवनदर्शन दोनों विषयों का मिश्रण करके विज्ञान की दृष्टि से शोध कर लगभग 14 वर्षों की कठिन साधना से 13 विषयों पर लगभग 5500 पृष्ठीय शोध तैयार किया । इसी शोध प्रबंधन के माध्यम से 11 तरह के शिविर आयोजित आपके द्वारा किये जाते रहे है । आपके द्वारा 31 पुस्तकों का लेखन किया गया जिसमें कहानी, कवितायें, कोटेशन, गज़ल, लेख, पद इत्यादि का शामिल है। गुणोदय–जिनअर्चना आपकी अद्भुत रचना है इसके साथ ही सफर दर्द का, इंसान तू खुद को पहचान, सुबोध शिक्षा, अमृत छलकत घट, दरिया किनारे दहकते अंगारे, तेरी महिमा मेरे गीत व अंतिम रचना चिंतन जागीर रही ।

मुनिश्री का जीवन सुमन – जन्म 19.10.67, **जन्म स्थान** ब्रजपुर, **जन्म नाम** प्रमोदकुमार जैन, **पिता** सुमेरचंद जैन, **लौकिक शिक्षा** हायर सेकेण्डरी, **गृह त्याग** 16.12.92, **मुनि दीक्षा** 23.07.98 इन्दौर, **दीक्षा गुरु –** आचार्य श्री 108 पुष्पदंतसागरजी महाराज ।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है । संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है ।